

12/5/26

उभयं फल उभय प्रति. सं. 1-3 की लकी बड़े लकवा
प्रस्तुत नहीं डिमा है प्रश्न में लकी अवलोक रहे वा
हरे है पत्रावली लकी अवध में इकी स्वत पर
रपाएक की पाणी है नष्ट से कम हो

हरिदा सुभा गम्

SV

उपखण्ड अधिकारी
सुरतगढ़ (यज.)

GCMJ
2024/339

